Name : **Dr. (Mrs.) Shail Sharma**

Date of Birth & Place : 24-06-1960 (Chhattisgarh)

Nationality : **Indian**

Present Post : **Professor & Head**

School of studies in literature and languages
Pt. Ravi Shankar Shukla University,
Raipur, Chhattisgarh-492010

Permanent & Postal address : **Maan Shaarda Kunj**
HIG-2, Q.No.18, sec. -1,
Dindyal Upadhaya Nager, Raipur,
Chhattisgarh-492010

Mobile : **09424216090**

E-mail : **shailshar25@gmail.com**

Academic Qualification : **M.A., (Linguistics, Hindi), Ph.D.(Linguistics)**

Research Work : शीर्षक–मानक हिंदी और छत्तीसगढ़ी के समान शब्दों का अर्थवैज्ञानिक अध्ययन (Ph.D.)

Area of Specialization : **Semantics & Chhattisgarhi**

Experience :-

(A) Teaching - **26 Years** From 06.4.1988 (Professor from 27-07-2006)

(B) Academic -

1. सहायक संरक्षिका – महिला छात्रावास, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (1995–1997).
2. सहायक केंद्राध्यक्ष – वार्षिक परीक्षा, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (1998, 2002, 2004, 2005, 2008, 2009).
3. पर्यवेक्षक – चाणक्य कॉलेज ऑफ कामर्स एण्ड बिजनेस एजुकेशन, रायपुर, (2006).
4. नवीन महाविद्यालय खोलने के लिए सत्र 2006–07 के लिए हिंदी विषय में विशेषज्ञ मनोनीत.
5. वार्षिक परीक्षा प्रश्न–पत्र समन्वयक, प्रश्न–पत्र वितरण केंद्र, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 2007.
6. उपाधि प्रकोष्ठ प्रभारी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 2007.
7. वार्षिक परीक्षा प्रश्न–पत्र समन्वयक, प्रश्न–पत्र वितरण केंद्र, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 2008.
8. केंद्राध्यक्ष, बी.पी.टी. परीक्षा, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 2009.

Publication-

(1) Book Published : 01

1. छत्तीसगढ़ी और हिंदी शब्दार्थ विवेचन, वैभव प्रकाशन, रायपुर

(2) Book Chapters Published : 10

1. लिंग : छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियाँ (संपा.) चित्तरंजन कर, मिश्रा पुस्तक सदन, प्रताप चौक, सरकंडा, बिलासपुर (छत्तीसगढ़); 06.10.1993.
2. मानक हिंदी और छत्तीसगढ़ी के सामाजिक शब्दार्थ–भेद : हिंदी भाषा की सामाजिक संरचना (संपा.) भोलानाथ तिवारी, साहित्य सहकार, दिल्ली, 60–64, 1994.
3. हिंदी की बोलियों का अंतर्सम्बन्ध (कारक रूपों के संदर्भ में) : हिंदी भाषा की बोलियों का अंतर्सम्बन्ध (संपा.) सरोज मिश्र, शांति प्रकाशन, इलाहाबाद,63–66, 1996.
4. छत्तीसगढ़ी : Souvenir, National Seminar on The Emerging Challenges before Indian women (11, 12, 13-12-2001) Centre for women's studies pt. R.S.U., Raipur.
5. छत्तीसगढ़ी में अभिवादन : छत्तीसगढ़ी अस्मिता, छत्तीसगढ़ी अस्मिता प्रतिष्ठान, रायपुर, संपा. केशरी लाल वर्मा, 306–307, 2002.
6. बहुआयामी व्यक्तित्व : रामकुमार बेहार, रामकुमार बेहार अभिनंदन–ग्रंथ, संपा. ऋषिराज पांडे, छत्तीसगढ़ी शोध–संस्थान, रायपुर, 45–47, 2006.
7. विभु कुमार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : खरे कहते खरी–खरी (स्मृति–ग्रंथ), संपा. डॉ. कुंजबिहारी शर्मा, वैभव प्रकाशन, रायपुर, 59–60, 2007.
8. डॉ. शंकर शेष और उनके नाटक, छत्तीसगढ़ हिंदी रंगमंच, संपा. कुंजबिहारी शर्मा, वैभव प्रकाशन, रायपुर 115–118, 2008.
9. सुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य में नारी, इतिहास में अंकित सुभद्रा की स्मृतियाँ, संपा. जय प्रकाश मिश्रा आदि, रिसर्च इंडिया प्रेस, नई दिल्ली, 193–199, 2008.
10. मोतियों की माला, पुस्तक समीक्षा, 2011.

(3) Research Paper Published : 13

1. हिंदी में द्विरूक्ति : सहलेखक– चित्तरंजन कर, गवेषणा वर्ष 29, अंक 57–58, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, 127–131, 1991.
2. लेना, ले आना तथा आना : वाङ्मिति (हिंदी व्याकरण की शोध–पत्रिका), संपा. चित्तरंजन कर, रायपुर, अंक–4, 17–19, 1993.
3. छत्तीसगढ़ी व्याकरण और शब्दकोश : सहलेखक – डॉ. रामानुज शर्मा, संकल्प (छत्तीसगढ़ी विशेषांक), संपा. प्रतिभा, हिंदी अकादमी, हैदराबाद, जुलाई–सितंबर, 68–74, 1994.

4. हिंदी की रंजक क्रियाएँ : 'संप्रेषण' (अर्थधार्षिकी शोध–पत्रिका), संपा. चित्तरंजन कर, अंक–1, रायपुर, 20–24, 1994.
5. कार्यालयीन हिंदी में शैलीगत औपचारिकता : सहलेखक– चित्तरंजन कर, 'भाषा', केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली, अंक–2, वर्ष–35, नवंबर– दिसंबर 1995.
6. छत्तीसगढ़ी नाम धातु : सहलेखक– चित्तरंजन कर 'संप्रेषण', संपा. –चित्तरंजन कर, शोध एवं अनुसंधान विकास केन्द्र, रायपुर, अंक–7, वर्ष–4,जनवरी–जून, 3–7, 1998
7. पढ़ई–लिखई अउ नारी परानी : 'सर्वहारा' (छत्तीसगढ़ी की कला–संस्कृति–साहित्य की प्रथम पाक्षिक), रायपुर, संपा. पंचराम सोनी, रायपुर 18, 15 अगस्त 2001.
8. छत्तीसगढ़ी की लोकगाथाओं में नारी के विविध रूप : 'परिक्रमा' कला, साहित्य, संस्कृति की त्रैमासिक पत्रिका, संपा. अर्चना पाठक, रायपुर, 46–47, नवंबर 2001.
9. भारतीय संस्कृति के विकास में महिलाओं का योगदान : ऋचा–शक्ति, महिलाओं की त्रैमासिक पत्रिका, संपा. शांति यदु, रायपुर, वर्ष–16, अंक–1, 2, 19–20, 2002.
10. Editor : 'Souvenir' Dr. Shail Sharma/Dr. Abha R. Pal, National Seminar on the Emerging Challenges Before Indian Women, (11, 12.13.12.2001). Organised : Centre for Women's studies, Pt. Ravishankar Shukla Unversity, Raipur (C.G.).
11. हिंदी में पदक्रम का महत्व : सहलेखन – चित्तरंजन कर, शोध–प्रकल्प, त्रैमासिक रिसर्च जर्नल, संपा. सुधीर शर्मा, अंक–20–21, संख्या–4 एवं 5,18–19 नवंबर, 2002.
12. पं. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के काव्य में दलित चेतना : सहलेखन– लोकेश्वर प्रसाद सिन्हा, डॉ. अंबेडकर सामाजिक विज्ञान शोध–पत्रिका, नई दिल्ली, वर्ष–12, अंक–12, 64–71, 2004
13. वैज्ञानिक एवं तकनीकी हिंदी : वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग,नई दिल्ली और बख्शी सृजनपीठ, रायपुर के संयोजन से 'त्रिवेणी' पत्रिका(संपा. श्री बबन प्रसाद मिश्र), 40–41, 2005-

Guidance :

(क) पी–एच.डी. (स्वीकृत)

1. हिंदी नवगीतों का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन – कृष्ण कुमार ठाकुर, 2000.
2. जैन–धर्म की विशिष्ट शब्दावली का समाजभाषिक तथा भाषाशास्त्रीय अध्ययन – श्रीमती सरिता चौधरी, 2001.
3. छत्तीसगढ़ के व्यंग्यपरक हिंदी उपन्यासों की रचनाधर्मिता – अमिनेष सुराना, 2005.
4. हरिशंकर परसाई के व्यंग्य साहित्य का शैलीभाषिक अध्ययन – श्रीमती सुनीता त्यागी, 2006.
5. 'छत्तीसगढ़ मित्र' के संदर्भ में आधुनिक हिंदी दैनिक समाचार–पत्रों की भाषा – रश्मि पॉल, 2008.
6. छत्तीसगढ़ी और सरगुजिहा का तुलनात्मक अध्ययन – सुधीर पाठक, 2012.

(ख) पी–एच.डी. (शोधरत्)

1. श्री लाल शुक्ल के उपन्यासों का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन – श्रीमती माया नायर, (26.04.2010).
2. अमृता प्रीतम के हिंदी उपन्यासों का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन (धरती, सागर और सीपियाँ तथा पिंजर के विशेष संदर्भ में) (26.04.2010).

(ग) एम.फ़िल. (भाषाविज्ञान) : 41

(घ) एम.फ़िल. (हिंदी) : 38

Paper Presented in International/ National Conferences, Seminars, Workshops, Symposia:

(क) संगोष्ठी : 20

(ख) कार्यशालाएँ : 06

Subject Expert in International/ National Conferences, Seminars, Workshops, Symposia:

1. संयोजक : रिफ्रेशर कोर्स (हिंदी), पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 4–24 नवंबर, 2012.
2. हिंदी भाषा एवं साहित्य, एक दिवसीय प्रश्न बैंक कार्यशाला, कर्मचारी चयन आयोग (म.प्र. क्षेत्र), रायपुर, भारत सरकार, 23 जून, 2012.

आकाशवाणी प्रसारण :

1. चिंतन – 12
2. वार्ता –
   1. पढ़ई–लिखई अउ नारी परानी, छत्तीसगढी, रायपुर, 2 फरवरी, 1996.
   2. आवव सुनन कहानी छत्तीसगढ़ी, रायपुर, 27 फरवरी, 1997.
   3. शिक्षा जीवन की महती आवश्यकता रायपुर, 27 जुलाई, 2001.
   4. रिश्तों का आधार प्रेम रायपुर, 14 फरवरी, 2002.
   5. राष्ट्रभाषा हिंदी रायपुर, 13 सितंबर, 2003.

6. हमर राजभाषा हिंदी
रायपुर, 13 सितंबर, 2004.

3. परिचर्चा – साथी हाथ बटाए तो घर सुखमय बन जाए,
रायपुर, 30 जनवरी, 2003.

4. कहानी – 'तिजाही लुगरा' (लोकाक्षर – सितंबर–दिसंबर (सं.) नंद किशोर तिवारी, 2004, बिलासपुर).

5. वार्ता – प्रेमचंद की प्रासंगिकता, 31 जुलाई, 2008.

6. परिचर्चा – छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य में सुख–दुख,
27 अक्टूबर, 2009.

Others :

ORIENTATION/REFRESHER COURSE

1- **Attended 22nd Orientation Course : 22.3.1993 to 17.4.1993 (From Academic Staff College Rani Durgavati Vishwavidyalaya, Jabalpur, M.P.)**

2- **Refresher Course : 6.2.1995 to 26.2.1995 (From Central Institute of English and Foregion Languages, Hyderabad.)**

Refresher Course : 13.11.1995 to 3.12.1995

3. 'हिंदी भाषा एवं साहित्य पुनश्चर्या पाठ्यक्रम' भाषाविज्ञान एवं भाषाएँ अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर.

4. 'प्रथम उन्मुखीकरण–हिंदी पाठ्यक्रम' 14–15 मार्च, 2005, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा).

Honors :

1. सृजन सम्मान, पंचम अखिल भारतीय साहित्य महोत्सव, रायपुर,

2. राष्ट्रभाषा सेवक सम्मान, छत्तीसगढ़ राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, रायपुर,

Dr. (Mrs.) Shail Sharma